पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

# राज्यपाल की अध्यक्षता में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या का 28वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न

लखनऊ : 29 नवम्बर, 2023

प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या का 28वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपाल जी ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के कुल 123 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक प्रदान किए। स्नातक स्तर पर 30 एवं परास्नातक स्तर पर 76 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं दानस्वरूप 17 स्वर्ण पदक छात्र–छात्राओं को प्रदान किए। पदक प्राप्तकर्ताओं में 79 स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए जोकि 64 प्रतिशत है। परीक्षा में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के सत्र 2022–23 के 217496 उत्तीर्ण विद्यार्थियों की डिग्रियों को डिजीलॉकर में अपलोड कर दिया गया। उत्तीर्ण परिक्षार्थियों में छात्राओं का 55 प्रतिशत एवं छात्रों का 45 प्रतिशत रहा।

इस अवसर पर में राज्यपाल जी ने सभी उपाधि प्राप्त कर्ताओं, स्वर्ण पदक तथा शोध उपाधि पाये विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को दीक्षांत समारोह की शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा और ज्ञान के सही मायने आप सभी को सिद्ध करना होगा। भारत को आजादी के 100 वर्षों में एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य पूर्ण करना है। यह मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब युवा पीढ़ी शिक्षा के उचित मार्ग का चयन कर उस पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि समाज में सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। यहाँ के विश्वविद्यालय में शोध कार्यों को सही दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल जी ने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि गुजरात राज्य में एक बेहतर जल प्रबंधन से जलापूर्ति सुनिश्चित हो पाई और लम्बे समय के बाद गुजरात राज्य टैंकरराज से मुक्त हो सका है। यह तभी संभव हो पाया जब एक

व्यापक जल नीति तैयार कर नर्मदा नदी के डैम की ऊँचाई को बढ़ाने के साथ–साथ सिंचाई परियोजनाओं को सही क्रम में विकसित किया गया है। समारोह में कुलाधिपति जी ने कहा कि सरदार सरोवर डैम पर व्यापक योजनाओं का परिणाम इस प्रकार दिखाई पड़ा कि गुजरात राज्य जल संकट से मुक्त हो गया।

समारोह में राज्यपाल जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर ऐसा कार्य करना है, जिससे समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में व्यापक स्तर पर सुधार हो। उन्होंने कहा कि अभी हम सभी को कार्यप्रणाली में सुधार कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करने की संस्कृति विकसित करनी है। शिक्षण संस्थानों को समाज के सर्वांगीण विकास पर जोर देने के लिए क्रमबद्ध शोध कार्य पर पारदर्शी शोध नीति मार्ग पर आगे चलने की आवश्यकता है। जो भी कार्य करना है उसे दिल से करना है, कमियों को दूर करने का निरन्तर प्रयत्न करना पड़ता है। विश्वविद्यालय में शोध कार्यों पर जो कार्य किए जा रहे है। उनसे अभी समाज को व्यापक लाभ नही मिल पा रहा है। शोध कार्यों को धरातल पर कार्य करने के लिए युवाओं को आगे आना है। विकसित राष्ट्रों की तर्ज पर पारदर्शी रणनीति के सहारे ही हम राज्य व राष्ट्र का विकास कर सकते है। कुलाधिपति जी ने छात्रों से कहा कि स्वच्छता का प्रत्येक व्यक्ति के जीवन बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और यह सभी का प्राथमिक दायित्व है कि स्वच्छता और स्वास्थ के प्रति सजग और सतर्क रहे। स्वच्छता सरकार का ही विषय नही है यह सभी का सामाजिक दायित्व भी है। कुलाधिपति ने अपने उद्‌बोधन के अंत में छात्रों को दायित्वों के बोध का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कृति पर ध्यान देने की आवश्यकता है। माता–पिता की सेवा करें, उनका आदर करें, कभी भी उनके प्रति उपेक्षा का भाव प्रकट न करें यही आपकी संस्कृति है।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, प्रधान न्यायपीठ, नई दिल्ली के सदस्य डॉ0 अफरोज अहमद ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम कण–कण में बसते हैं। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक, बौद्धिक सभ्यता की विरासत के साथ यह पवित्र भूमि अयोध्या मेरे सहित अनगिनत व्यक्तियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धार्मिक महत्व के साथ–साथ हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, हमारी सामूहिक चेतना का प्रमाण है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल जी के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल जी द्वारा में प्राथमिक विद्यालय के 30 बच्चों को स्कूल बैग व फल की टोकरी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के पठन–पाठन हेतु स्टोरी बुक्स शिक्षकों को उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में कुलाधिपति जी ने आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु 20 किट प्रदान की।

समारोह में राज्यपाल जी ने स्मारिका एवं अयोध्या एक सुखद यात्रा का विमोचन किया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की स्मारिका एवं अयोध्या एक सुखद यात्रा का विमोचन भी किया। कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने राज्यपाल जी को विश्वविद्यालय की ओर से 'अनुभूति एक प्रयास' पुस्तक भेंट की।

इस अवसर पर समारोह में स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

---

डॉ. सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
The 28th
CONVOCATION
दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
The 28th
CONVOCATION
दीक्षांत समारोह

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
The 28th
दीक्षांत समारोह